चुनावी बॉन्ड

संदर्भ: मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, चुनावी बॉन्ड योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ का नेतृत्व करेंगे।

- चुनावी बॉन्ड को केंद्र सरकार ने 2017 के केंद्रीय बजट में ब्याज मुक्त "बेअरर इंस्ट्रूमेंट्स" (वाहक उपकरण) के रूप में पेश किया था, जो कि प्रॉमिसरी नोट्स की तरह होते हैं।
- ये बॉन्ड भारत में निगमित व्यक्तियों या संस्थाओं को राजनीतिक दलों को गुप्त दान करने में सक्षम बनाते हैं।
- ये बॉन्ड विभिन्न मूल्यवर्गों में उपलब्ध हैं, जो 1,000 रुपये से लेकर 1 करोड़ रुपये तक हैं, और इन्हें केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) मानदंडों के अधीन, अधिकृत एसबीआई शाखाओं से प्राप्त किया जा सकता है।
- राजनीतिक दल इन बॉन्डों को प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर अपने चुनावी खर्चों को पूरा करने के लिए भुना सकते हैं।
- चुनावी बॉन्ड केवल जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में निर्दिष्ट 10-दिवसीय अवधियों के दौरान ही खरीदे जा सकते हैं।
- ये बॉन्ड विशेष रूप से प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत राजनीतिक दलों को दान करने के लिए हैं, जिसके लिए पार्टी को लोकसभा या विधान सभा के पिछले चुनाव में कम से कम 1% वोट हासिल करने की आवश्यकता होती है।
- आरपीए की धारा 29ए चुनाव आयोग के साथ संघों और संस्थाओं को राजनीतिक दलों के रूप में पंजीकृत करने से संबंधित है।
- **चुनावी ट्रस्ट (इलेक्टोरल ट्रस्ट)**
  - ✓ चुनावी ट्रस्ट कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत एक कंपनी है जो राजनीतिक दलों के लिए चंदा/फंड लेने और इन फंडों को संबंधित राजनीतिक दलों को प्रसारित करने के प्राथमिक उद्देश्य से स्थापित की गई है।
  - ✓ केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 2013 में चुनावी ट्रस्टों के लिए परिचालन दिशानिर्देश जारी किए, जिसका उद्देश्य दाताओं और राजनीतिक दलों दोनों के लिए पारदर्शिता बढ़ाना है।
  - ✓ हालांकि एक दर्जन से अधिक चुनावी ट्रस्ट स्थापित किए गए हैं, लेकिन उनके इच्छित उद्देश्य पूरी तरह से प्राप्त नहीं हुए हैं।
  - ✓ निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनुसार, भारत में 1800 से अधिक राजनीतिक दल हैं, जिन्हें देखते हुए इन ट्रस्टों के माध्यम से प्रसारित होने वाले फंड कुल राजनीतिक दल चंदे का केवल एक छोटा-सा ही अंश दर्शाते हैं।
  - ✓ वित्तीय वर्ष 2014-15 में केवल पांच ट्रस्टों ने अपने दान का खुलासा किया है, जिसमें सीमित संख्या में ट्रस्ट अपने योगदान का खुलासा कर रहे हैं।
- **चुनावी बॉन्ड पर नवीनतम निष्कर्ष**
  - ✓ मई 2023 में, सूचना के अधिकार अधिनियम के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों से पता चला कि चुनावी बॉन्ड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा केवल पांच शहरों में खरीदा गया था।

- ✓ मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, नई दिल्ली और चेन्नई शहरों ने सभी चुनावी बॉन्डों में से लगभग 90% की बिक्री में योगदान दिया, जिसमें मुंबई कुल बिक्री का 26.16% के साथ अग्रणी रहा।
- ✓ बेंगलुरु, जिसे अक्सर भारत की तकनीकी राजधानी कहा जाता है, चुनावी राज्य कर्नाटक की राजधानी होने के बावजूद, इसकी कुल बिक्री में हिस्सेदारी लगभग 2% थी।
- ✓ जब चुनावी बांड भुनाने की बात आती है, तो भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नई दिल्ली शाखा पसंदीदा विकल्प थी, जिसमें 64.55% बांड राजधानी दिल्ली में भुनाए गए।
- ✓ इसके बाद हैदराबाद और कोलकाता क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। आश्चर्यजनक रूप से, 26% से अधिक की बिक्री में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता होने के बावजूद, मुंबई ने केवल 1.51% चुनावी बांड भुनाए थे।
- ✓ चुनावी बांड योजना के माध्यम से मुट्ठी भर शहरों में राजनीतिक फंडिंग का यह संकेंद्रण राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता और समानता के संबंध में चिंताएं पैदा करता है, विशेषकर दान की गुमनामी के कारण।

अंटार्कटिका में बर्फ पिघलना

संदर्भ: एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि कार्बन उत्सर्जन में कमी के बावजूद, गर्म पानी के कारण पश्चिम अंटार्कटिका की बर्फ की चादर का तेजी से पिघलना अपरिहार्य है।

- ➢ पश्चिमी अंटार्कटिका की बर्फ की चादर के पूरी तरह से नष्ट होने से वैश्विक औसत समुद्र स्तर में 5.3 मीटर या 17.4 फीट की महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।
- ➢ इस परिणाम से भारत सहित दुनिया भर के संवेदनशील तटीय शहरों में रहने वाले लोगों के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।
- ➢ भले ही ग्लोबल वार्मिंग पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर की सर्वोत्तम स्थिति तक सीमित हो। विश्लेषण से पता चलता है कि पश्चिमी अंटार्कटिका के आसपास का पानी 20वीं सदी की तुलना में तीन गुना तेज गति से गर्म होगा।
- ➢ इस त्वरित वार्मिंग से पश्चिमी अंटार्कटिका की बर्फ की चादर के पिघलने की दर में वृद्धि होगी।

मुख्य निष्कर्ष

- ➢ अध्ययन ने पश्चिम अंटार्कटिका के गर्म होने का व्यापक मूल्यांकन प्रदान करने के लिए अमुंडसेन सागर के एक उच्च-रिज़ॉल्यूशन कंप्यूटर मॉडल का उपयोग किया।
- ➢ जीवाश्म ईंधन जलाने के विभिन्न परिदृश्यों को शामिल करते हुए, सर्वोत्तम स्थिति परिदृश्य (पेरिस समझौते के अनुसार वैश्विक वार्मिंग को 1.5°C तक सीमित करना) से लेकर अनियंत्रित कोयला, तेल और गैस के उपयोग के साथ सबसे खराब स्थिति परिदृश्य तक, 4,000 से अधिक वर्षों के सिमुलेशन किए गए।
- ➢ विश्लेषण में एल नीनो जैसी घटनाओं सहित प्राकृतिक जलवायु विविधताओं को भी ध्यान में रखा गया था।
- ➢ इस अध्ययन से चिंताजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं, जिसमें सभी परिदृश्य अमुंडसेन सागर के गर्म होने और बर्फ की चादरों के पिघलने का संकेत देते हैं। उल्लेखनीय रूप से, 2045 तक के परिदृश्यों के बीच बहुत कम अंतर है।

- 1.5°C परिदृश्य में भी, सांख्यिकीय रूप से, मध्य-श्रेणी के परिदृश्य की तुलना में समुद्र के गर्म होने और बर्फ के पिघलने में कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है, जो जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने के वर्तमान प्रतिज्ञाओं के साथ अधिक निकटता से जुड़ता है।
- इन परिणामों से वैश्विक स्तर पर समुद्र के स्तर में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसका भारत सहित दुनिया भर के तटीय समुदायों पर संभावित प्रभाव पड़ेगा।
- भारत, अपनी व्यापक तटरेखा और घनी आबादी के साथ, समुद्र के स्तर में वृद्धि के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है। यदि तटीय समुदाय बढ़ते समुद्र से बचाव का खर्च नहीं उठा सकते हैं, तो उन्हें स्थानांतरित होने या शरणार्थी बनने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

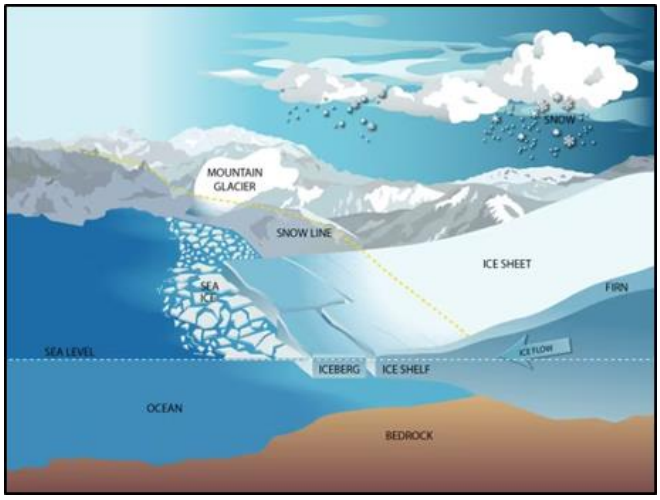

बर्फ की चादर

- बर्फ की चादर हिमानी बर्फ का एक विशाल विस्तार है जो 50,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को घेरता है, जो भारत में लगभग उत्तराखंड के आकार के बराबर है।
- आज पृथ्वी पर दो प्राथमिक बर्फ की चादरें हैं: ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर और अंटार्कटिका की बर्फ की चादर, जिसमें सामूहिक रूप से ग्रह का लगभग दो-तिहाई ताज़ा पानी शामिल है।
- जैसा कि नासा की एक रिपोर्ट में बताया गया है, बर्फ की चादरों का व्यवहार वैश्विक औसत समुद्र स्तर को प्रभावित करता है। जब बर्फ की चादरों के द्रव्यमान मे वृद्धि होती है , तो वे वैश्विक औसत समुद्र स्तर में कमी आती है , वहीं जब उनके द्रव्यमानमे कमी के परिणामस्वरूप वैश्विक औसत समुद्र स्तर में वृद्धि होती है।

सीमित देयता भागीदारी (LLP)

सरकार ने एलएलपी के लिए प्रकटीकरण (Disclosure) नियमों को कड़ा कर दिया है, जिसमें मूर्त और अमूर्त दोनों तरह के लाभकारी हितों और योगदानों का विवरण देने वाले भागीदार रजिस्टर के रखरखाव को अनिवार्य किया गया है।

- कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) ने सीमित देयता भागीदारी (तीसरा संशोधन) नियम, 2023 पेश किए हैं, जो 28 अक्टूबर, 2023 को प्रभावी हुए।
- इन नियमों के तहत, सभी मौजूदा और आगामी सीमित देयता भागीदारी (LLPs) को अपने लाभकारी हितों और योगदानों, चाहे वे मूर्त हों या अमूर्त, के बारे में विशिष्ट विवरणों के साथ भागीदारों का एक रजिस्टर बनाए रखना आवश्यक है।
- आगामी एलएलपी को निगमन के 30 दिनों के भीतर यह रजिस्टर स्थापित करना होगा और इसे अपने पंजीकृत कार्यालय में बनाए रखना होगा।
- इन नियमों का उद्देश्य भारत में एलएलपी संचालन में पारदर्शिता बढ़ाना है। विशेषकर जब से वर्तमान वित्तीय वर्ष में निगमित होने वाली कंपनियों और साझेदारी फर्मों की संख्या बढ़ रही है तब से इसका महत्व और बढ़ गया है।

- भागीदारों के रजिस्टर में योगदान की राशि और प्रकृति के साथ-साथ कार्यालय का पता, ईमेल आईडी और स्थायी खाता संख्या जैसे आवश्यक पेशेवर और व्यक्तिगत विवरण शामिल होने चाहिए।
- योगदान में धन, वचन पत्र, समझौते, अनुबंध या मौद्रिक मूल्य वाली सेवाओं जैसे विभिन्न रूप शामिल हो सकते हैं।
- रजिस्टर में किसी भी बदलाव को सात दिनों के भीतर अपडेट किया जाना चाहिए।
- योगदान में लाभकारी हितों के बिना भागीदारों को भागीदार रजिस्टर में सूचीबद्ध होने के 30 दिनों के भीतर एलएलपी को यह घोषित करना आवश्यक है।
- ऐसे व्यक्ति जो रजिस्टर में भागीदारों के रूप में सूचीबद्ध नहीं हैं, लेकिन एलएलपी योगदान में लाभकारी हित रखते हैं, उन्हें अपनी रुचि की प्रकृति और उन भागीदारों का विवरण निर्दिष्ट करते हुए 30 दिनों के भीतर अपने हितों की घोषणा करनी चाहिए जिनके नाम पर उनका योगदान एलएलपी की पुस्तकों में दर्ज है।
- इसके अतिरिक्त, प्रत्येक एलएलपी को रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज या अधिकृत कार्यालयों को लाभकारी हितों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए जिम्मेदार एक भागीदार को नामित करना होगा। जब तक इस भूमिका के लिए किसी भागीदार को नामित नहीं किया जाता है, तब तक प्रत्येक भागीदार ऐसी जानकारी प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होता है।

सीमित देयता भागीदारी (LLPs)

- सीमित देयता भागीदारी (LLPs) एक लचीली कानूनी और कर संरचना प्रदान करते हैं जो भागीदारों को अन्य भागीदारों के कार्यों के लिए अपनी व्यक्तिगत देयता को सीमित करते हुए सहयोग करने में सक्षम बनाती है।
- LLP में भागीदार केवल उस राशि के लिए उत्तरदायी होते हैं जो उन्होंने व्यवसाय में निवेश किया है, अपनी व्यक्तिगत संपत्तियों को संभावित व्यावसायिक ऋणों या देनदारियों से बचाते हैं।

Aspect	LLP (Limited Liability Partnership)	LLC (Limited Liability Company)	LP (Limited Partnership)
Formal Structure	Yes	Yes	Yes
Annual Reporting (Possibly)	Depending on Jurisdiction	Varies	No
Management Flexibility	Equal Division of Duties	Flexible	General Partner Control
Liability Protection	Partners Not Liable for Each Other	Personal Liability Protection	Varies
Tax Structure (Flow-Through Entity)	Yes	Yes	Varies
Common Use	Professionals and Collaborators	Various Business Types	Various Business Types

- भागीदारी संरचना भागीदारों के बीच जोखिम-साझा करने, उनके व्यक्तिगत कौशल और विशेषज्ञता का लाभ उठाने और व्यवसाय को लाभान्वित करने के लिए श्रम का विभाजन स्थापित करने की अनुमति देती है।
- सीमित दायित्व संरक्षण यह सुनिश्चित करता है कि साझेदारी की विफलता की स्थिति में, लेनदार किसी भागीदार की व्यक्तिगत संपत्ति या आय पर दावा नहीं कर सकते।
- एलएलपी आमतौर पर पेशेवर सेवा उद्योगों जैसे कानून फर्मों, लेखा फर्मों, चिकित्सा पद्धतियों और धन प्रबंधन फर्मों में पाए जाते हैं। ये क्षेत्र अक्सर एलएलपी संरचनाओं के सहयोगात्मक और दायित्व-घटाने वाले पहलुओं से लाभान्वित होते हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

	हाल ही में, कॉन्फ्रेंस ऑफ़ पार्टीज़ (COP28) प्रेसीडेंसी ने वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने और ऊर्जा दक्षता को दोगुना करके ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए।

कॉन्फ्रेंस ऑफ़ पार्टीज़ (सीओपी)

कॉन्फ्रेंस ऑफ़ पार्टीज़ के बारे में:

- कॉन्फ्रेंस ऑफ़ पार्टीज़ (COP) संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के तहत निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है।
- यह उन सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व करता है जो कन्वेंशन के पक्षकार हैं।
- यह कन्वेंशन के कार्यान्वयन और कानूनी साधन को अपनाने की समीक्षा करता है, जो प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं , जिसमें संस्थागत और प्रशासनिक व्यवस्था शामिल है।
- इसकी वार्षिक बैठक होती है।
- पहली बैठक मार्च 1995 में बर्लिन, जर्मनी में हुई थी।
- COP प्रेसीडेंसी पांच संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रों में घूमती है: अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन, मध्य और पूर्वी यूरोप और पश्चिमी यूरोप ।
- हाल के उल्लेखनीय COPs में वर्ष 2021,ग्लासगो में COP 26 और वर्ष 2019, मैड्रिड में COP 25 शामिल हैं।
- यह वैश्विक जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और इससे निपटने के उपायों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रशासन में एक केंद्रीय निकाय बन जाता है।
- कॉप 28 के बारे में:
  - ✓ COP28 संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में आयोजित किया गया था।
  - ✓ राष्ट्रपति सुल्तान अल जाबेर ने COP28 का नेतृत्व किया।
  - ✓ COP28 का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना और ग्लोबल वार्मिंग को संबोधित करना है।
  - ✓ इसमें ग्लोबल वार्मिंग को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लक्ष्य पर जोर देता है।

कैंडोलेओमाइसेस एल्बोस्क्वामोसस

हाल ही में, शोधकर्ताओं ने पश्चिमी घाट में एक नई मशरूम प्रजाति (कैंडोलेओमाइसेस एल्बोस्क्वामोसस) की पहचान की है।

कैंडोलेओमाइसेस एल्बोस्क्वामोसस (Candolleomyces Albosquamosus) के बारे में:

- कैंडोलेओमाइसेस एल्बोस्क्वामोसस एक नई खोजी गई मशरूम प्रजाति है जो कैंडोलेओमाइसेस जीनस से संबंधित है।
- यह प्रजाति तिरुवनंतपुरम में जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान और अनुसंधान संस्थान (JNTBGRI) के परिसर में पाई गई थी।
- कैंडोलेओमाइसेस जीनस दुनिया भर में अपेक्षाकृत दुर्लभ है, इसकी केवल 35 ज्ञात प्रजातियाँ हैं।
- भारत में जीनस सैथिरेला की पहले रिपोर्ट की गई सात प्रजातियों को अब कैंडोलेओमाइसेस जीनस से संबंधित माना गया है।
- **विशेषताएं:** इसकी विशेषता इसकी छोटी, नाजुक बनावट है, जिसमें शहद-पीली टोपी के साथ सफेद ऊनी स्केल जैसी संरचनाएं हैं। यह मशरूम लगभग 58 मिमी की ऊंचाई तक बढ़ता है।

नेपाल में पिघलते ग्लेशियर

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण नेपाल के बर्फ से ढके पहाड़ों ने पिछले 30 वर्षों में लगभग एक तिहाई बर्फ खो दी है।

नेपाल में पिघलते ग्लेशियरों के बारे में:

- भारत और चीन के बीच स्थित नेपाल में ग्लेशियर पिछले दशक की तुलना में 65% तेजी से पिघले हैं।
- पिछली शताब्दी में पृथ्वी का तापमान औसतन 0.74 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है।
- दक्षिण एशिया के हिमालय में तापमान वृद्धि वैश्विक औसत से अधिक हो गई है।
- संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने "जीवाश्म ईंधन युग" को समाप्त करने का आह्वान किया।
- ग्लेशियरों के पिघलने से झीलों और नदियों में बाढ़ आ सकती हैं और समुद्र का स्तर बढ़ सकता है, जिससे पूरा क्षेत्र विस्थापित हो सकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि सदी के अंत तक हिंदू-कुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर अपनी मात्रा का 75% तक खो सकते हैं, जिससे बाढ़ और पानी की समस्या हो सकती है। जिससे 240 मिलियन लोगों के समक्ष विस्थापन की समस्या उत्पन्न हो सकती है ।

गुटेरेस ने देशों से जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों को कम करने के लिए वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने का आग्रह किया।

कार्बन नैनोफ्लोरेट्स

हाल ही में, अनन्या साह और सी. सुब्रमण्यम ने एक ऐसे कार्बन नैनोस्ट्रक्चर बनाने के लिए एक अभूतपूर्व प्रयास शुरू किया जो कि ज्ञात सबसे काले पदार्थों से भी अधिक काला था।

कार्बन नैनोफ्लोरेट्स के बारे में:

- कार्बन नैनोफ्लोरेट्स (CNFs) अद्वितीय कार्बन नैनोस्ट्रक्चर हैं जो अपने उल्लेखनीय प्रकाश-अवशोषित गुणों के लिए जाने जाते हैं।

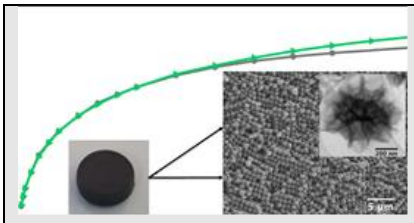

- सीएनएफ को डेंड्राइटिक फ़ाइबरस नैनोसिलिका (डीएफएनएस) को गर्म करके और एसिटिलीन गैस के साथ बनाया गया था, जिसके परिणामस्वरूप "काले से भी अधिक काला" (Blacker than Black) पदार्थ प्राप्त हुआ।
- सीएनएफ कई आवृत्तियों पर सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करने में असाधारण हैं, जिससे वे प्रकाश को गर्मी में परिवर्तित करने में अत्यधिक कुशल हो जाते हैं।
- वे 87% की अभूतपूर्व सौर-थर्मल रूपांतरण दक्षता प्रदर्शित करते हैं, जो ज्ञात सामग्रियों में सबसे अधिक है।
- सीएनएफ सूर्य के प्रकाश में तीन आवृत्तियों को अवशोषित कर सकते हैं, जिनमें अवरक्त, दृश्य प्रकाश और पराबैंगनी शामिल हैं, जिससे उन्हें सौर ऊर्जा की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करने की अनुमति मिलती है।
- सीएनएफ का अनोखा आकार प्रकाश प्रतिबिंब को कम करता है और प्रकाश को आंतरिक बनाता है, जिससे उनका समग्र ऊर्जा अवशोषण बढ़ता है।

अनुप्रयोग:

- नैनोफ्लॉवर कैटलिसिस, बायोसेंसर, गैस सेंसर, चिकित्सीय कार्य, अपशिष्ट जल उपचार जैसे अनुप्रयोगों में विशेष रूप से उपयोगी हैं। वयस्क छोटे पतंगे होते हैं, जिनकी लंबाई लगभग 3/8 इंच होती है।

प्लास्टिक प्रदूषण

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र संघ ने प्लास्टिक प्रदूषण की वैश्विक समस्या से निपटने के उद्देश्य से अभिनव समाधानों को मान्यता देने के लिए अपने सर्वोच्च हरित सम्मान की घोषणा की ।

प्लास्टिक प्रदूषण क्या है:

- प्लास्टिक प्रदूषण से तात्पर्य पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र में प्लास्टिक वस्तुओं के संचय से है, जिससे जानवरों, वन्यजीवों के आवास और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन:

- दुनिया भर में प्रति वर्ष 400 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से आधा एकल-उपयोग उद्देश्यों के लिए उत्पादित किया जाता है।
- 2040 तक, पारंपरिक जीवाश्म ईंधन-आधारित प्लास्टिक से कार्बन उत्सर्जन वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग पांचवां हिस्सा योगदान दे सकता है।
- हर साल लगभग 23 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा जलीय पारिस्थितिक तंत्र में प्रवेश करता है, जिससे जल निकाय प्रदूषित होते हैं।

पुनर्चक्रण दर: वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन का 10% से भी कम का पुनर्नवीनीकरण किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा निकलता है।

पर्यावरणीय प्रभाव: अनुमान है कि हर साल 19 से 23 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा झीलों, नदियों और समुद्रों में प्रवेश करता है, जिससे गंभीर पर्यावरणीय क्षति होती है।

भारत में प्लास्टिक प्रदूषण: भारत में सालाना 9.46 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से केवल 60% का पुनर्चक्रण किया जाता है।

चैंपियंस ऑफ द अर्थ विजेताओं के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने अपने 2023 के चैंपियंस ऑफ द अर्थ पुरस्कार की घोषणा की। यह संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान है।
- पुरस्कार विजेता: जोसेफिना बेलमोंटे, एलेन मैकआर्थर फाउंडेशन, ब्लू सर्कल, जोस मैनुअल मोलर और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद को सम्मानित किया गया।

समाचार में स्थान

वेनेज़ुएला

हाल ही में अमेरिका वेनेजुएला के तेल, गैस और खनन उद्योगों के खिलाफ प्रतिबंधों में ढील देने पर सहमत हुआ है।

वेनेज़ुएला: (राजधानी: कराकस)

भौगोलिक अवस्थिति : वेनेजुएला दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित एक देश है।

राजनीतिक सीमाएँ:

- वेनेज़ुएला की सीमा उत्तर में कैरेबियन सागर और अटलांटिक महासागर, पूर्व में गुयाना, दक्षिण में ब्राज़ील और दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम में कोलंबिया से लगती है।

भौगोलिक विशेषताएं :

- वेनेज़ुएला के भूगोल में उत्तर-पश्चिम में एंडीज़ पर्वत और माराकाइबो तराई क्षेत्र, मध्य मैदान (लानोस) और दक्षिण-पूर्व में गुयाना हाइलैंड्स शामिल हैं।
- यह दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक है।
- वेनेज़ुएला का उच्चतम बिंदु 4,978 मीटर पर पिको बोलिवर है।
- प्रमुख नदियों में रियो नीग्रो और ओरिनोको नदी शामिल हैं, माराकैबो झील देश में पानी का एक महत्वपूर्ण भंडार है।

समाचार में व्यक्तित्व
सरदार वल्लभभाई पटेल

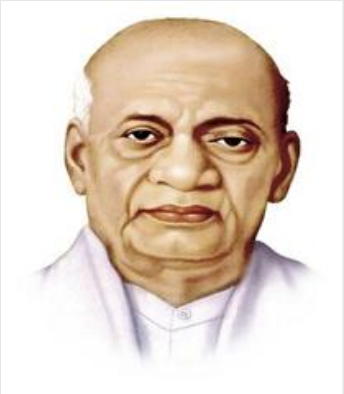

आज राष्ट्र सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दे रहा है।

सरदार वल्लभभाई पटेल (31 अक्टूबर 1875 - 15 दिसंबर 1950):

गुजरात के नडियाद में जन्मे सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत के पहले गृह मंत्री और उप प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया।

- **योगदान:**
  - ✓ सरदार पटेल ने भारत के बाल्कनाइजेशन (विघटन) को रोककर लगभग 565 रियासतों को भारतीय संघ में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - ✓ इन्हें "भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत" के रूप में जाना जाता है , ईन्होंने आधुनिक अखिल भारतीय सिवल सेवा प्रणाली की स्थापना की थी।
  - ✓ इन्होंने ने शराबखोरी, छुआछूत और जातिगत भेदभाव के खिलाफ अथक प्रयास किया था।
  - ✓ इन्होंने महिलाओं की मुक्ति का समर्थन किया और खेड़ा और बारडोली सत्याग्रह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - ✓ इन्होंने मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों, जनजातीय और बहिष्कृत क्षेत्रों और प्रांतीय संविधान से संबंधित संविधान सभा में विभिन्न समितियों का नेतृत्व किया।
  - ✓ पटेल के दृष्टिकोण ने "श्रेष्ठ भारत" (सर्वोपरि भारत) बनाने के लिए "एक भारत" पर जोर दिया।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - ✓ सरदार पटेल को राष्ट्र के प्रति उनके असाधारण योगदान के लिए 1991 में मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।
  - ✓ भारत को एकजुट करने और रियासतों को एकीकृत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उन्हें अक्सर "भारत का लौह पुरुष" कहा जाता है।
  - ✓ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, 182 मीटर की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा, उनके सम्मान में बनाई गई थी और 2018 में उनके जन्मदिन, 31 अक्टूबर को इसका उद्घाटन किया गया था।

POINTS TO PONDER

1. **बन्नी उत्सव, जो समाचार में देखा गया था, एक वार्षिक धार्मिक उत्सव है यह किस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में मनाया जाता है? -** आंध्र प्रदेश
2. **यूरोपीय संघ (ईयू) और भारत ने अपना पहला संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किस स्थान पर आयोजित किया? -** गिनी की खाड़ी
3. **किस देश की अदालत ने भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को मौत की सजा सुनाई है? -** कतर
4. **भारत मोबाइल कांग्रेस का 7वां संस्करण किस शहर में आयोजित किया गया था? -** नई दिल्ली
5. **कैनबिडिओल (सीबीडी), एक यौगिक जो भांग में अपनी चिकित्सीय क्षमता के लिए जाना जाता है, दूसरे पौधे में पाया गया है, किस देश में? -** ब्राज़िल